प्रत्यक्ष प्रमाण के संदर्भ मे बाबा की समझानी

1 हरेक अपने रिजल्ट से संतुष्ट हैं? चेक किया है कि समय प्रमाण वा बायो की पढ़ाई प्रमाण, विश्व के आगे स्वयं को प्रत्यक्ष प्रमाण बनाया है? कोई भी बात को स्पष्ट करने के लिये अनेक प्रकार के प्रमाण दिए जाते हैं।

2 लेकिन सभी प्रमाण में श्रेष्ठ प्रमाण, 'प्रत्यक्ष प्रमाण ' ही है। तो ऐसे बने हो? जो कोई भी देखे तो अनुभव कर कि इन्हें पढ़ाने वाले वा बनाने वाला सर्वशक्तिवान बाप है। प्रत्यक्ष प्रमाण ही बाप को प्रत्यक्ष करने का सहज और श्रेष्ठ साधन है। इसी साधन को अपनाया है?

3 प्रत्यक्षता वर्ष तो मनाया लेकिन स्वयं कों प्रत्यक्ष प्रमाण बनाया ? सहज है वा मुश्किल है? क्योंकि प्रत्यक्ष प्रमाण अर्थात जो हो, जिसके हो उसी स्मृति में रहना। वह मुश्किल होता है? अपने आपको याद करना किसको मुश्किल लगता है? टेम्पररी (*Temporary;* अस्थायी) पार्ट बजाने के समय अपना टेम्पररी टाईम का स्मृति में रखना मुश्किल होता है।

14.04.77

अव्यक्त पालना का रिटर्न

प्रश्न हमारे, उत्तर बापदादा के

प्रश्न : मीठे बाबा, पेपर के संदर्भ मे क्या महावाक्य हैं?

उत्तर : मीठे बच्चे, पेपर के संदर्भ मे महावाक्य है कि:-

1 क्योंकि बाप-दादा ने पहले ही कह दिया था। जैसे नयों को सुनाते हो, बाप का आना अपने आपको जीते जी मरने का साहस रखना। क्योंकि बाप का आना अर्थात् वापस ले जाना वा पुरानी दुनिया का परिवर्तन करना। वैसे ही आपको बाप का बुलाना अर्थात् रिजल्ट देने के लिए तैयार रहना।

2 तो पेपर के लिए तैयार हो ना? विश्व को परिवर्तन करने की हलचल देखते हुए अचल हो? स्वयं को हलचल कराने वाले निमित्त समझते हो वा अब तक अपने ही हलचल में हो? बाप-दादा हिलाने के पेपर लेवे? अचल रहेंगे वा डगमग होंगे? रेडी (Ready) हो या एवररेडी (Eveready;सदा तैयार) हो? रिजल्ट क्या है? स्वयं के संस्कारों के पेपर, स्वयं के व्यर्थ संकल्पों के पेपर वा कोई न कोई शक्ति की कमी के कारण पेपर, सर्व से संस्कार मिलाने के पेपर, अब तक इन छोटे-छोटे हद के पेपर में भी हलचल में आते हो वा अचल हो? बेहद के पेपर अर्थात् अनादि तत्वों द्वारा पेपर, बेहद के विश्व के हलचल द्वारा पेपर, बेहद के वातावरण द्वारा पेपर, बेहद सृष्टि के तमोप्रधान अशुद्ध वायब्रेशन (Vibration) वायुमण्डल द्वारा पेपर।

3 ऐसे बेहद के पेपर देने के लिए पहले है व-'स्वयं द्वारा स्वयं का पेपर', छोटे से ब्राह्मण संसार द्वारा वा ब्राह्मणों के संस्कारों द्वारा आया हुआ पेपर, यह कच्चा इम्तहान है वा पक्का इम्तहान है?

14.02.77

मन की बात... बापदादा के साथ

मैं आत्मा :-

मीठे बाबा,
फाईनल स्टेज की
निशानी क्या है?

बापदादा :-

प्यारे बच्चे,

चल नहीं रहे हैं लेकिन कोई चला रहा है। *अपनी गोदी में बिठाकर चला रहे हैं, तो मुश्किल थोड़े ही होगा!* जैसे बच्चा अगर बाप की गोदी में घूमता है तो उसको कब थकावट नहीं होगी, मजा आयेगा। अपने पांव से चले तो थकेगा भी, रोयेगा भी, चिल्लायेगा भी। यह तो बाप चलाने वाला चला रहा है। बाप की गोदी में बैठे हुए चल रहे हैं। कितना अति इन्द्रिय सुख व आनन्द का अनुभव होता है! जरा भी मेहनत वा मुश्किल का अनुभव नहीं।

प्राप्ति है वा मेहनत है? संगमयुगी सदा साथी बनने वाली आत्माओं को मेहनत क्या होती है, वह 'अविद्या मात्रम होते हैं। ऐसे बहुत थोड़े होंगे जिन्हों को मेहनत अविद्या मात्रम होगी। यह है फाईनल स्टेज।

14.04.77

14-4-77
अव्यक्त वाणी का
मुख्य बिंदु
आप जो हो
जिसके हो
व
जहाँ के हो
वह
न की
टेम्परेरी
अनादि
नीजी स्वरूप, अनादि बाप, अनादी स्थान है
प्रत्यक्ष प्रमाण अर्थात् अनादी रूप मे स्थित रहना

14-04-77 की अव्यक्त वाणी से स्वमान

मैं श्रेष्ठ तकदीर की तस्वीर हूँ।

श्रेष्ठ तकदीर की तस्वीर अर्थात् अपने भाग्य से भगवान की स्वत: याद दिलाने वाली। चलता-फिरता लाईट हाउस - हरेक को सही राह दिखाने वाली।

14-04-77

श्रेष्ठ तकदीर की तस्वीर

जो कोई भी देखे तो अनुभव करे कि इन्हें पढ़ाने वाला वा बनाने वाला सर्वशक्तिवान बाप है।

हर एक ने यथा-शक्ति अपनी-अपनी तस्वीर तैयार की है। तस्वीर के अन्दर विशेषता रूहानियत की चाहिए रूहानियत भरी तस्वीर हर आत्मा को रूहानी बाप की राह बता देती है।

बाप-दादा ने भी संकल्प द्वारा, वाणी द्वारा, कर्म द्वारा पढ़ाई बहुत पढ़ायी है, अब उसकी रिजल्ट देखेंगे। हरेक अपनी रिजल्ट से संतुष्ट है?

स्वयं को सम्पन्न बनाने का पुरुषार्थ भी नैचुरल कर्म अनुभव हो तब कहेंगे फाइनल स्टेज